माँ चंद्रघंटा आरती

जय मां चंद्रघंटा सुख धाम।
पूर्ण कीजो मेरे सभी काम॥

चंद्र समान तुम शीतल दाती।
चंद्र तेज किरणों में समाती॥

क्रोध को शांत करने वाली।
मीठे बोल सिखाने वाली॥

मन की मालक मन भाती हो।
चंद्र घंटा तुम वरदाती हो॥

सुंदर भाव को लाने वाली।
हर संकट मे बचाने वाली॥

हर बुधवार जो तुझे ध्याये।
श्रद्धा सहित जो विनय सुनाएं।
मूर्ति चंद्र आकार बनाएं।
सन्मुख घी की ज्योति जलाएं।
शीश झुका कहे मन की बाता।
पूर्ण आस करो जगदाता॥

कांचीपुर स्थान तुम्हारा।
करनाटिका में मान तुम्हारा॥

नाम तेरा रटूं महारानी।
भक्त की रक्षा करो भवानी॥

[1]

---

[1] सौजन्य से:

धर्मयात्रा **(DharmYaatra)**

वेबसाइट: https://dharmyaatra.in/

व्हाट्सऐप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🔱, धार्मिक कथाएं 🕉️, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🛕, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘‍♂️, घरेलू नुस्खे 🥥, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🪔, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं ☸️ (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

व्हाट्सएप ग्रुप व्हाट्सएप चैनल

फेसबुक पेज इंस्टाग्राम प्रोफाइल